पाक्षिक

खबर आस पास

भारत सरकार से मान्यता प्राप्त समाचार पत्र

'जिस व्यक्ति ने कभी गलती नहीं की, उसने कभी कुछ नया करने की कोशिश नहीं की।'

संपादक : सत्येन्द्र राजवंशी मो. 9587570001 Email : khabaraaspass@gmail.com

वर्ष : 1 | अंक : डिजिटल | बीकानेर : मंगलवार 14 जुलाई 2026 | पृष्ठ : 4 | मूल्य : 1.00 रुपया

किसानों को सहजन आधारित खेती से जोड़ने के लिए काज़री में तीन दिवसीय प्रशिक्षण शुरू

सहजन को बताया पोषण, आय और पर्यावरण सुरक्षा का प्रभावी माध्यम

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। भारतीय कृषि अनुसंधान परिषद (आईसीएआर) केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान (काजरी), क्षेत्रीय अनुसंधान केन्द्र, बीकानेर द्वारा सतत एवं आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के उद्देश्य से सहजन (मोरिंगा) आधारित कृषि प्रणाली विषय पर तीन दिवसीय किसान कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का शुभारंभ सोमवार को किया गया। कार्यक्रम का आयोजन नाबार्ड वित्त पोषित परियोजना के अंतर्गत काजरी परिसर में किया गया। प्रशिक्षण में ज़िले की विभिन्न तहसीलों से 35 किसान हिसा ले रहे हैं।

प्रशिक्षण कार्यक्रम का उद्घाटन राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज, बीकानेर के प्राचार्य डॉ. प्रमोद मिश्रा ने किया।

डॉ. प्रमोद मिश्रा ने बताया कि सहजन (मोरिंगा) को आयुर्वेद में 'अमृत वृक्ष' माना गया है। उन्होंने कहा कि आधुनिक वैज्ञानिक शोधों के अनुसार सहजन में लगभग 300 से अधिक बीमारियों से लड़ने की क्षमता विकसित करने वाले पोषक तत्व पाए जाते हैं। इसकी पत्तियों में दूध की तुलना में लगभग 4 गुना अधिक कैल्शियम, संतरे से 7 गुना अधिक विटामिन-सी, गाजर से 4 गुना अधिक विटामिन-ए तथा पालक से 3 गुना अधिक आयरन पाया जाता है। इसके नियमित सेवन से रोग प्रतिरोधक क्षमता मजबूत होती है, रक्त की कमी दूर करने, पाचन तंत्र को सुदृढ़ बनाने, आंखों की रोशनी बढ़ाने तथा हड्डियों को मजबूत बनाने में सहायता मिलती है। सहजन में मौजूद शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट, विटामिन, खनिज और प्रोटीन शरीर को कुपोषण, संक्रमण एवं कई जीवनशैली संबंधी बीमारियों से बचाने में सहायक माने जाते हैं।

काजरी के अध्यक्ष डॉ. नवरत्न पंवार ने कहा कि पश्चिमी राजस्थान में सहजन आधारित खेती खाद्य एवं आर्थिक सुरक्षा सुनिश्चित करने की दिशा में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती है। उन्होंने बताया कि सहजन का उपयोग मानव उपभोग के साथ-साथ पशु आहार एवं चारे के रूप में भी किया जा सकता है, जिससे पशुओं के स्वास्थ्य एवं दुग्ध उत्पादन में भी सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। सहजन के मूल्य संवर्धन के माध्यम से किसानों के लिए रोजगार एवं अतिरिक्त आय के नए अवसर भी उपलब्ध हो सकते हैं।

परियोजना के मुख्य समन्वयक डॉ. बीरबल ने बताया कि इस परियोजना के अंतर्गत अब तक 21 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए जा चुके हैं, जिनमें बीकानेर जिले की विभिन्न तहसीलों के किसान भाग ले चुके हैं। उन्होंने बताया कि प्रत्येक किसान को प्रशिक्षण के साथ लगभग एक हजार सहजन पौधे निःशुल्क उपलब्ध कराए जा रहे हैं। अब तक लगभग 250 किसानों ने इस परियोजना के तहत पौधारोपण कर सहजन की खेती शुरू की है तथा कई किसान सहजन पाउडर सहित विभिन्न उत्पाद तैयार कर मूल्य संवर्धन के माध्यम से अतिरिक्त आय अर्जित कर रहे हैं।

उन्होंने कहा कि जलवायु परिवर्तन के वर्तमान दौर में सहजन केवल एक पौधा नहीं, बल्कि टिकाऊ कृषि (सस्टेनेबल एग्रीकल्चर), पर्यावरण संरक्षण और मानव स्वास्थ्य के लिए एक प्रभावी विकल्प बनकर उभर रहा है। किसानों से अधिकाधिक संख्या में प्रशिक्षण से जुड़कर इस परियोजना का लाभ उठाने का आग्रह किया गया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम के संचालन एवं तकनीकी सहयोग में काजरी के वरिष्ठ तकनीकी अधिकारी डॉ. मनोज गोरा एवं डॉ. सीताराम जाट की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

पर्यावरण संरक्षण एवं प्रदूषण नियंत्रण जनभागीदारी से ही संभवः श्रेयांस बैद

बीकानेर, (खबर आस पास)। महात्मा गांधी राजकीय विद्यालय, अर्जुनसर में पर्यावरण संरक्षण, विधिक जागरूकता एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम का आयोजन जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार किया गया। कार्यक्रम में प्राधिकरण के पैनल सदस्य अधिकार मित्र श्रेयांस बैद ने विद्यार्थियों एवं शिक्षकों को पर्यावरण संरक्षण, प्रदूषण नियंत्रण तथा सामाजिक एवं विधिक जागरूकता का संदेश दिया।

बैद ने कहा कि बढ़ते पर्यावरणीय संकट एवं प्रदूषण की गंभीर होती स्थिति को देखते हुए पर्यावरण संरक्षण वर्तमान समय की सबसे बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि स्वच्छ एवं स्वस्थ पर्यावरण प्रत्येक नागरिक का मौलिक अधिकार होने के साथ-साथ उसका संवैधानिक दायित्व भी है।

भारतीय जीव जंतु कल्याण बोर्ड के मानद प्रतिनिधि बैद ने अनियंत्रित औद्योगिकीकरण, प्लास्टिक का अत्यधिक उपयोग, जल स्रोतों का प्रदूषण, वनों की कटाई तथा बढ़ते ध्वनि प्रदूषण के कारण पर्यावरणीय संतुलन लगातार प्रभावित हो रहा है, जिसका प्रतिकूल प्रभाव मानव जीवन, पशु-पक्षियों, वन्यजीवों एवं जैव विविधता पर स्पष्ट रूप से दिखाई दे रहा है।

उन्होंने बताया कि भारतीय संविधान के अनुच्छेद 48(क) के अनुसार राज्य का दायित्व है कि वह पर्यावरण, वन एवं वन्यजीवों की रक्षा एवं संवर्धन करे, जबकि अनुच्छेद 51(क)(ग) प्रत्येक नागरिक को प्राकृतिक पर्यावरण के संरक्षण तथा समस्त जीव-जंतुओं के प्रति करुणा रखने का मूल कर्तव्य प्रदान करता है। इसके अतिरिक्त पर्यावरण (संरक्षण) अधिनियम, 1986 सहित विभिन्न विधिक प्रावधान पर्यावरण संरक्षण को सुदृढ़ आधार प्रदान करते हैं।

इस अवसर पर विद्यालय परिसर में शिक्षकों एवं विद्यार्थियों द्वारा सामूहिक वृक्षारोपण भी किया गया तथा पौधों के संरक्षण का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों को नशा मुक्ति, पॉक्सो अधिनियम, पोश अधिनियम, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम, साइबर अपराधों से बचाव तथा 18 जुलाई को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत के संबंध में भी विस्तृत जानकारी प्रदान की गई।

बैद ने आमजन से अधिकाधिक वृक्षारोपण करने, जल संरक्षण अपनाने, प्लास्टिक के उपयोग को न्यूनतम करने, स्वच्छता बनाए रखने तथा पर्यावरण-अनुकूल जीवनशैली अपनाने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण केवल सरकारी योजनाओं से नहीं, बल्कि जनभागीदारी, सामाजिक जागरूकता एवं सामूहिक उत्तरदायित्व से ही संभव है। प्रत्येक नागरिक यदि अपने दैनिक जीवन में छोटे-छोटे पर्यावरण हितैषी कदम अपनाए, तो स्वच्छ, हरित एवं प्रदूषण-मुक्त भारत के निर्माण का लक्ष्य सहज ही प्राप्त किया जा सकता है।

कार्यक्रम में विद्यालय के कार्यवाहक प्रधानाचार्य राजू दास स्वामी, वरिष्ठ अध्यापक विनोद जी स्वामी, अध्यापक अरविंद, अमित, रतन, सुरेंद्र, कृष्ण, महेश एवं रोहित, तथा अध्यापिकाएँ राजवीर एवं रेखा सहित विद्यालय परिवार एवं समस्त शिक्षाकर्मी उपस्थित रहे।

राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी

मेल में लिखा-जनमानस को नुकसान पहुंचाना हमारा इरादा नहीं, केवल बिल्डिंग को नुकसान होगा

जयपुर कासं। राजस्थान हाईकोर्ट को एक बार फिर बम से उड़ाने की धमकी मिली हैं। हाईकोर्ट प्रशासन को रात 12 बजकर 19 मिनट पर आए मेल में कहा गया कि जनमानस को नुकसान पहुंचाना हमारा इरादा नहीं है, लेकिन बिल्डिंग को नुकसान होगा, इसलिए 6 जिलेटिन बम प्लांट किए गए हैं

सुबह प्रशासन ने मेल देखा, उसके बाद सुरक्षा एजेंसियों को सूचना दी गई। हालांकि समय पर सूचना मिलने से कोर्ट समय से पहले ही बम स्कवायड और डॉग स्कवायड ने पूरे परिसर की सघन तलाशी पूरी कर ली। जिससे हाईकोर्ट में सुनवाई बाधित नहीं हुई।

तलाशी अभियान में किसी भी प्रकार की कोई संदिग्ध वस्तु नहीं मिली है, जिसके बाद हाईकोर्ट परिसर को करीब 9:30 बजे खोल दिया गया। इससे पहले 13 अप्रेल को हाईकोर्ट की जयपुर बैंच को बम से उड़ाने की धमकी मिली थी।

साढ़े 8 महीने में 13वीं बार मिली बम की धमकी राजस्थान हाईकोर्ट जयपुर बैंच को पिछले साढ़े 8 महीने में 13वीं बार बम से उड़ाने की धमकी मिली है। 31 अक्टूबर 2025 को हाईकोर्ट प्रशासन के पास पहली बार धमकी भरा मेल आया था। लेकिन उसके बाद से लगातार कुछ समय के अंतराल में इस तरह के मेल आ रहे हैं। इसके बाद हाईकोर्ट को 5 दिसंबर, 8, 9, 10 और 11 दिसंबर को धमकी मिली। वहीं, साल 2026 में 6, 17,19,20 फरवरी को हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल चुकी है। इसके बाद 17 मार्च को और 13 अप्रेल को भी राजस्थान हाईकोर्ट को बम से उड़ाने की धमकी मिल थी।

वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा-2026 की पहली ट्रेन आज होगी रवाना

जयपुर कासं। राजस्थान सरकार के देवस्थान विभाग की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना-2026 के तहत पहली विशेष ट्रेन सोमवार (13 जुलाई) को जयपुर के दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन से रामेश्वरम-मदुरै के लिए रवाना होगी। ट्रेन दोपहर 3:20 बजे रवाना होगी। रवाना होने से पहले प्लेटफॉर्म नंबर-2 पर कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा, जहां देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत हरी झंडी दिखाकर ट्रेन को रवाना करेंगे।

इस यात्रा में जयपुर संभाग के चार जिलों के कुल 970 वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा पर जाएंगे। यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधा और स्वास्थ्य का विशेष ध्यान रखा जाएगा। इसके लिए ट्रेन के साथ डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की मेडिकल टीम भी मौजूद रहेगी, ताकि जरूरत पड़ने पर तुरंत इलाज उपलब्ध कराया जा सके।

लॉटरी के जरिए हुआ यात्रियों का चयन

देवस्थान विभाग की ओर से वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना के लिए ऑनलाइन आवेदन मांगे गए थे। पात्र आवेदकों की संख्या अधिक होने के कारण यात्रियों का चयन लॉटरी प्रक्रिया के माध्यम से किया गया। चयनित यात्रियों को पहले ही यात्रा से जुड़ी सभी जरूरी जानकारी और दिशा-निर्देश उपलब्ध करा दिए गए हैं।

मंत्री करेंगे वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात

ट्रेन रवाना होने से पहले देवस्थान मंत्री जोराराम कुमावत दोपहर 2 बजे दुर्गापुरा रेलवे स्टेशन पहुंचकर वरिष्ठ नागरिकों से मुलाकात करेंगे और उनकी यात्रा की तैयारियों का जायजा लेंगे। इसके बाद शाम 3:20 बजे ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया जाएगा।

यात्रा के दौरान रहेंगी विशेष सुविधाएं

यात्रा के दौरान श्रद्धालुओं को भोजन, पेयजल, सुरक्षा और चिकित्सा जैसी आवश्यक सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। देवस्थान विभाग के अधिकारी और कर्मचारी भी पूरी यात्रा के दौरान साथ रहेंगे, ताकि वरिष्ठ नागरिकों को किसी तरह की परेशानी का सामना न करना पड़े। राज्य सरकार की वरिष्ठ नागरिक तीर्थ यात्रा योजना का उद्देश्य आर्थिक रूप से कमजोर और पात्र वरिष्ठ नागरिकों को निःशुल्क प्रमुख धार्मिक स्थलों की यात्रा कराने की सुविधा उपलब्ध कराना है।

काशी, मथुरा और संभल विवाद

हिंदू-मुस्लिम पक्ष ने सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकराया, कहा- केस लड़कर फैसला चाहते हैं

लखनऊ एजेन्सी। यूपी के तीन मंदिर-मस्जिद विवादों को लेकर हिंदू और मुस्लिम पक्ष ने सोमवार को सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता का प्रस्ताव ठुकरा दिया है। ये विवाद वाराणसी की ज्ञानवापी मस्जिद, मथुरा की श्रीकृष्ण जन्मभूमि-शाही ईदगाह और संभल की शाही जामा मस्जिद से जुड़े हैं।

बार एंड बेंच के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट ने इन मामलों के शांतिपूर्ण समाधान के लिए 'समाधान समारोह 2026' पहल के तहत लेटर भेजकर मध्यस्थता का प्रस्ताव दिया था और दोनों पक्षों से सहमति मांगी थी। किसी भी पक्ष ने इसके लिए सहमति नहीं दी। कोर्ट ने यह लेटर कब भेजा था, इसकी जानकारी सामने नहीं आई है। दोनों पक्षों ने कहा है कि वे अदालत में ही केस लड़कर फैसला चाहते हैं। दरअसल सुप्रीम कोर्ट परिसर में 21 से 23 अगस्त तक 'समाधान समारोह' के तहत विशेष लोक अदालत आयोजित की जाएगी। इसका उद्देश्य लंबी कानूनी लड़ाई के बजाय बातचीत के जरिए हल निकालना है।

सुप्रीम कोर्ट की मध्यस्थता ठुकराई गईः अब आगे क्या

अब सुप्रीम कोर्ट में नियमित सुनवाई होगी और दोनों पक्ष अपने-अपने सबूत व दलीलें पेश करेंगे। फिलहाल दोनों पक्षों ने इनकार किया है। यदि भविष्य में दोनों पक्ष सहमत हों, तो अदालत फिर मध्यस्थता पर विचार कर सकती है। अब मामले का फैसला पूरी न्यायिक प्रक्रिया के बाद होगा, इसलिए समय लग सकता है। अब अंतिम निर्णय सुप्रीम कोर्ट की सुनवाई और फैसले से ही होगा।

बैंकॉक के बार में आग, 27 मौतें

पार्टी कर रहे 60 से ज्यादा लोग घायल; जान बचाने के लिए लोग टॉयलेट में छिपे

नई दिल्ली एजेन्सी। थाईलैंड की राजधानी बैंकॉक में रविवार देर रात एक बार में आग लगने से 27 लोगों की मौत हो गई, जबकि 63 लोग घायल हो गए। थाई अधिकारियों के मुताबिक आग लगने की वजह बिजली के सिस्टम में खराबी हो सकती है।

सभी घायलों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। आग लगने की वजह की जांच अभी जारी है। फायर ब्रिगेड डिपार्टमेंट ने कहा कि उन्हें रात 12 बजे आग लगने की सूचना मिली। करीब 30 मिनट की मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक इमारत का बड़ा हिस्सा जल चुका था। घटनास्थल पर मौजूद एक म्यूजीशियन ने बताया कि बिजली जाने से कुछ देर पहले मंच के पास लगे सर्किट ब्रेकर से धुआं निकलता दिखाई दिया था। इसके बाद एक धमाके की आवाज आई और देखते ही देखते पूरे पब में धुआं भर गया। उन्होंने बताया कि कई लोग जान बचाने के लिए इमारत के पिछले हिस्से में मौजूद टॉयलेट में घुस गए, जहां पर दम घुटने से उनकी मौत हो गई। थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल ने घटनास्थल का दौरा किया। उन्होंने कहा कि सभी शव बरामद किए गए हैं।

आग पर आधे घंटे में काबू, लेकिन तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था

रिपोर्ट्स के मुताबिक दमकलकर्मियों ने करीब आधे घंटे में आग पर काबू पा लिया, लेकिन तब तक बड़ा नुकसान हो चुका था।

यह बार बैंकॉक के चातुचक जिले में स्थित है। स्थानीय स्तर पर इसे रोंग बीयर ना लाट फ्राओ नाम से जाना जाता है। यह इलाके का लोकप्रिय रेस्तरां और मनोरंजन स्थल माना जाता है। आग बुझने के बाद की तस्वीरों में बार के बाहर बड़ी संख्या में बॉडी बैग रखे दिखाई दिए। पूरे इलाके को पुलिस ने घेर लिया। अंदर का फर्नीचर, दीवारें और छत पूरी तरह काली पड़ चुकी थीं। छत के कुछ हिस्से भी उखड़ गए।

गवर्नर बोले- सजावट से तेजी से फैली आग

बैंकॉक के गवर्नर चाडचार्ट सित्तिपुंत ने कहा कि पब की छत पर लगी ज्वलनशील सजावट की वजह से आग तेजी से फैली हो सकती है।

उन्होंने बताया कि इमारत के आपातकालीन निकास (इमरजेंसी एग्जिट) के पास कुछ लोग बेहोश मिले हैं। इससे आशंका है कि बाहर निकलने का रास्ता किसी तरह बाधित था। हालांकि, उन्होंने कहा कि इन बातों की पुष्टि फॉरेंसिक जांच पूरी होने के बाद ही हो सकेगी। मोटरसाइकिल चालक सुरिन जाइहार्न ने समाचार एजेंसी एएफपी को बताया कि उसने जलते हुए पब से करीब पांच लोगों को बाहर निकलने में मदद की। उसने उनके शरीर पर लगी आग कपड़ों की मदद से बुझाई।

सुरिन ने कहा, 'मैं बहुत दुखी हूं। मैंने कई लोगों को मरते देखा। जिन लोगों की मैंने मदद की, उनका क्या हुआ, मुझे नहीं पता।'

फायर ब्रिगेड को सूचना देने वाले एक ड्राइवर ने थाई अखबार डेली न्यूज को बताया कि उसने दो लोगों को बचाने के लिए पब की खिड़कियां तोड़ दी थीं।

रूस का सबसे सीक्रेट प्लेन ईरान पहुंचा : हवा में रहकर जंग कंट्रोल कर सकता है; अमेरिका का 24 घंटे में 140 ईरानी ठिकानों पर हमला

नई दिल्ली एजेन्सी। मिडिल ईस्ट में बढ़ते तनाव के बीच रूस ने अपना बेहद सुरक्षित Tu-214PU एयरबोर्न कमांड विमान तेहरान भेजा है। दुनिया भर में उड़ रहे विमानों की रियल-टाइम लोकेशन दिखाने वाली वेबसाइट फ्लाइटराडार24 ने यह दावा किया है।

Tu-214PU सामान्य VIP प्लेन नहीं है। इसमें सुरक्षित और एन्क्रिप्टेड कम्युनिकेशन सिस्टम, कमांड एंड कंट्रोल सिस्टम और स्पेशल डेटा लिंक लगे हैं। इनकी मदद से संकट की स्थिति में भी रूस का टॉप लीडर उड़ान के दौरान सेना और सरकार का संचालन कर सकते हैं।

इसी वजह से इसे रूस का 'डूम्सडे प्लेन' यानी कि 'प्रलय के दिन इस्तेमाल होने वाला विमान' भी कहा जाता है। यह विमान रोसिया स्पेशल फ्लाइट स्क्वाड्रन संचालित करता है। यही स्क्वाड्रन रूस के राष्ट्रपति और देश के शीर्ष राजनीतिक व सैन्य नेतृत्व की उड़ानों का जिम्मा संभालता है।

Tu-214PU के मिशनों का पूरा रिकॉर्ड सार्वजनिक नहीं किया जाता। हालांकि यूक्रेन जंग के दौरान यह विमान कई बार उड़ान भरता देखा गया। रूस के पास ऐसे कितने विमान हैं, इसकी भी जानकारी सार्वजनिक नहीं है।

यह प्लेन ऐसे समय तेहरान पहुंचा है, जब अमेरिका ईरान के सैन्य ठिकानों पर लगातार हमले कर रहा है और ईरान जवाबी कार्रवाई कर रहा है। विशेषज्ञों का मानना है कि इस विमान का तेहरान पहुंचना एक बड़ा रणनीतिक संकेत है। इससे यह संदेश जाता है कि रूस, ईरान के साथ उच्च स्तर पर संपर्क बनाए हुए है।

ईरान और अमेरिका के बीच जंग लगातार जारी है। अमेरिका ने रविवार को ईरान में 140 ठिकानों पर मिसाइल और ड्रोन हमले किए। इसके जवाब में ईरान ने सोमवार को कुवैत और बहरीन में अमेरिकी सैन्य ठिकानों पर हमले का दावा किया।

ईरान की रिवेंज लिस्ट में ट्रम्प-नेतन्याहू समेत 13 नेता

ईरान के सरकार समर्थक अखबार हमशहरी ने 13 ग्लोबल लीडर्स की 'रिवेंज लिस्ट' जारी की है। इसमें डोनाल्ड ट्रम्प, बेंजामिन नेतन्याहू, कीर स्टार्मर, इमैनुएल मैक्रों, जॉर्जिया मेलोनी और फ्रेडरिक मर्ज समेत कई नेताओं के नाम शामिल हैं।

ग्राफिक में ट्रम्प और नेतन्याहू की तस्वीरों पर स्नाइपर का निशाना दिखाया गया है। यह सूची पूर्व सर्वोच्च नेता अली खामेनेई की मौत के बाद सामने आई है। हालांकि, ईरान सरकार ने इस सूची को आधिकारिक मंजूरी नहीं दी है।

अमेरिका-ईरान MoU लगभग बेअसर, लगातार हमलों से समझौते पर संकट

अमेरिका और ईरान के बीच 17 जून को समझौता ज्ञापन (MoU) पर दस्तखत होने के बाद से अमेरिका ने ईरान पर सबसे बड़े सैन्य अभियानों में से एक चलाया है। अब तक दोनों देशों के बीच छह बार एक-दूसरे पर हमले हो चुके हैं।

ज्यादातर हमले फारस की खाड़ी और होर्मुज स्ट्रेट के आसपास हुए हैं। अमेरिका का कहना है कि इन हमलों का मकसद ढ्रन्नष्ट और ईरानी सेना की सैन्य क्षमता को कमजोर करना है। वहीं, ईरान भी लगातार जवाबी कार्रवाई कर रहा है।

ईरान का दावा है कि समझौते (MoU) के अनुच्छेद-5 के तहत होर्मुज स्ट्रेट में अंतरराष्ट्रीय समुद्री आवाजाही पर उसका पूरा नियंत्रण है। लगातार सैन्य कार्रवाई के बीच यह समझौता अब काफी हद तक कमजोर पड़ता दिख रहा है। अनुच्छेद-1 में दोनों देशों के एक-दूसरे पर हमला नहीं करने की बात कही गई थी, लेकिन अब यह शर्त टूट चुकी है।

अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल श्री डूंगरगढ़ द्वारा श्री उत्सव 2026 का हुआ एक दिवसीय आयोजन

मुख्य अतिथि मोमासर संरपच सरिता जी संचेती ने फीता काटकर किया उदघाटन

श्रीडूंगरगढ़ बीकानेर तोलाराम मारू। श्री उत्सव दिवस कार्यक्रम का शुभारंभ सेवा केंद्र व्यवस्थापिका साध्वी लक्ष्य प्रभा जी के मंगल पाठ से हुआ ।

तत्पश्चात मुख्य अतिथि के रूप में मोमासर ग्राम पंचायत की अध्यक्ष श्रीमती सरिता जी संचेती ने रिबन हटाकर उद्घाटन किया। साथ ही महिलाओं के उद्यमिता की ओर बढ़ते चरण की सराहना करते हुए मंगल कामना प्रेषित की ।

महिला मंडल अध्यक्ष मंजू देवी बोथरा एवं पूरी टीम ने दुपट्टा एवं उपहार देकर सरिता जी संचेती का सम्मान किया। उल्लेखनीय है कि श्री मती सरिता सचेती ने अपने कार्यकाल में एतिहासिक विकास कार्य कर मिशाल पेश की है।

महिला मंडल की मंत्री अम्बिका डागा व मधु झाबक ने बताया कि कार्यक्रम ने मुख्य रूप से तेरापंथी सभा, तेरापंथ युवक परिषद, अणुव्रत समिति,ओसवाल पंचायत समिति, तेरापंथ कन्या मंडल, तेरापंथ किशोर मंडल के पदाधिकारी एवं कार्यसमिति सदस्य तथा समाज के अनेक गणमान्यजन उपस्थित हुए।

विशेष रूप से श्रीडूंगरगढ़ के ख्याति प्राप्त श्री डूंगरगढ़ टाईम्स की संपादक कपिला जी स्वामी भी आयोजन में उपस्थित रही। श्रीडूंगरगढ़ टाईम्स की सम्पादक कपिला स्वामी ने महिलाओं के स्वावलंबन की ओर बढ़ते इस तरह के प्रयासों के लिए उन्होंने मंडल की सराहना की ।

मंडल द्वारा उनका दुपट्टा पहनाकर सम्मान किया गया।

इसके अलावा जैन तेरापंथ न्यूज से दीपक जी सेठिया, श्री डूंगरगढ़ टुडे के सम्पादक ने भी कार्यक्रम में पहुंचकर मंडल की गतिविधि की सराहना की।

उपाध्यक्ष मधु जी झाबक ने बताया कि आयोजन रात्रि लगभग 8 बजे तक आयोजन हुआ ।

जिसमें लगभग 25 स्टॉल्स लगाई गई ,जिसमे महिलाओं ने साड़ी, ज्वेलरी कॉस्मेटिक्स, फूड,हैंडीक्राफ्ट ,राजस्थानी मुखवास, बच्चों के लिए ड्रेसेस आदि रहे।

श्री डूंगरगढ़ की जैन एवं जैनेतर समाज की महिलाएं तथा साथ ही आसपास के क्षेत्र ने भी महिलाओं ने यहां पर अपने स्टॉल में विभिन्न प्रकार की वस्तुओं का प्रदर्शनी लगाई गई ।

महिला मंडल मंत्री ने बताया कि आज विशेष तौर पर अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल द्वारा संचालित आयामों की जानकारी भी प्रत्येक जन को दी गई।

जिसमें वर्ष भर के कार्यक्रमो की रूपरेखा को प्रदर्शनी के माध्यम से बताया गया।

साथ ही आने वाले सभी लोगों का एक रजिस्टर भी तैयार किया गया, जिससे कार्यक्रम की सटीक उपस्थिति का आकलन किया ।

लगभग 621 से अधिक श्री डूंगरगढ़ वासी आयोजन में पहुंच कर अपनी उपस्थिति दर्ज कराई।

इसके अलावा मंडल बहिनों द्वारा आचार्य भिक्षु जन्म त्रिशताब्दी पर 300 माला जप के लिए भी प्रेरणा दी गई जिससे सामाजिक एवं आध्यात्मिक दोनों तरफ से मानव विकास में मंडल सक्रिय है । मंडल परिवार संपूर्ण श्री डूंगरगढ़ के प्रति आभारी है जिसने इस आयोजन को सफल बनाने में पूरा सहयोग प्रदान किया।

उपासक श्रेणी के आगमन से बहेगी ज्ञान गंगा, आगमन पूर्व संगठन बैठक आयोजित

(खबर आस पास)

लूणकरणसर श्रेयांस बैद। तेरापंथ धर्म संघ में उपासक श्रेणी का विशिष्ट महत्व है। जीवन विज्ञान, सम्यक ज्ञान, दर्शन, चारित्र एवं ध्यान आराधना को पुष्ट करने की दिशा में सावन एवं भाद्रपद मास में ज्ञान की गंगा बहेगी।

इस दौरान सामाजिक संगठन बैठक आयोजित करते हुएं उनके आगमन से पूर्व व्यवस्थाओ के संदर्भ में चर्चा की गई । इस दौरान सभा के अध्यक्ष माल चंद नवलखा,अध्यक्ष महिला मंडल,अध्यक्ष युवक परिषद ने सभी को जिम्मेदारियों तय की।

उनके तेरापंथ भवन में रहने की व्यवस्था रहेगी ये जानकारी मीडिया प्रभारी श्रेयांस सिंह बैद ने दी एवं बताया कि उपासक, उपासिका श्रेणी का प्रवास लगभग 50 दिन का रहेगा

जिनमें प्रथम दिवस विनोद बरडिया एवं रतन लाल मेहता द्वारा बौद्धिक प्रदान किया जाएगा।

दक्षिण राज. प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के चुनाव का बिगुल, 19 जुलाई को होगा पदाधिकारीयों का निर्वाचन

अध्यक्ष सहित 16 पदों पर होगा चुनाव, नामांकन से लेकर शपथ ग्रहण तक की पूरी प्रक्रिया एक ही दिन होगी संपन्न

(खबर आस पास)

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। दक्षिण राजस्थान प्रादेशिक माहेश्वरी सभा के वर्ष 2026-29 के कार्यकाल हेतु नई पदाधिकारीयों के गठन की प्रक्रिया प्रारंभ हो गई है। चुनाव कार्यालय, भीलवाड़ा द्वारा जारी चुनाव अधिसूचना के अनुसार सभा के अध्यक्ष सहित विभिन्न पदाधिकारियों का निर्वाचन 19 जुलाई 2026 (रविवार) को कार्यकारी मंडल के सदस्यों द्वारा किया जाएगा। इसके साथ ही चुनाव कार्यक्रम एवं प्रक्रिया भी जारी कर दी गई है। मुख्य चुनाव अधिकारी सत्यनारायण मुंदड़ा द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार चुनाव में अध्यक्ष (1), उपाध्यक्ष (6), मंत्री (1), अर्थमंत्री (1) एवं संगठन मंत्री (1), सह मंत्री (6) सहित कुल 16 पदों के लिए निर्वाचन होगा। चुनाव प्रक्रिया केंद्रीय चुनाव समिति द्वारा निर्धारित नियमों के अनुसार संपन्न कराई जाएगी तथा समिति का निर्णय अंतिम एवं सर्वमान्य होगा। अधिसूचना में स्पष्ट किया गया है कि प्रत्येक पद के लिए नामांकन शुल्क 5,000 रुपये निर्धारित किया गया है। अध्यक्ष पद के उम्मीदवार की आयु 45 वर्ष तथा अन्य सभी पदों के उम्मीदवारों की आयु 40 वर्ष या उससे अधिक होना आवश्यक है। साथ ही केवल कार्यकारी मंडल के सदस्य ही मतदान के पात्र होंगे तथा मतदान के समय उनका उपस्थित होना अनिवार्य रहेगा। चुनाव कार्यक्रम के अनुसार 19 जुलाई को प्रातः 11.30 बजे से 12.30 बजे तक नामांकन पत्र दाखिल किए जाएंगे। इसके बाद दोपहर 12.45 बजे नामांकन पत्रों की जांच एवं वैध प्रत्याशियों की सूची प्रकाशित की जाएगी। दोपहर 1.30 बजे तक नाम वापस लिए जा सकेंगे तथा 1.45 बजे अंतिम प्रत्याशी सूची जारी होगी। यदि किसी पद पर एक से अधिक उम्मीदवार मैदान में रहते हैं तो दोपहर 2 बजे से 4 बजे तक मतदान कराया जाएगा। मतदान समाप्त होते ही मतगणना की जाएगी और तत्पश्चात परिणाम घोषित किए जाएंगे। विजयी अध्यक्ष का शपथ ग्रहण परिणाम घोषित होने के तुरंत बाद संपन्न कराया जाएगा। चुनाव कार्यालय ने सभी पात्र सदस्यों से समय पर उपस्थित होकर लोकतांत्रिक प्रक्रिया में सक्रिय सहभागिता निभाने की अपील की है। चुनाव अधिसूचना की प्रतिलिपि केंद्रीय चुनाव समिति एवं संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक कार्रवाई हेतु भेज दी गई है। माहेश्वरी समाज में चुनाव को लेकर उत्साह का माहौल है तथा विभिन्न पदों के लिए संभावित उम्मीदवारों के बीच संपर्क एवं तैयारियां तेज हो गई हैं।

गाजे-बाजे के साथ तीन जैन साध्वियों का भव्य नगर प्रवेश, धर्मसभा में गुरु भक्ति व चातुर्मास का दिया संदेश

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। पंजाब केसरी आचार्य विजय वल्लभसूरी जी समुदाय के वर्तमान गच्छाधिपति पद्मश्री शांतिदूत आचार्य भगवंत श्रीमद् विजय नित्यानंद सुरिश्वर की आज्ञानुवर्तिणी साध्वी श्री रंजनश्री एवं साध्वी प्रमोदश्री महाराज सा की सुशिष्याएं साध्वी तिरत्ना, साध्वी प्रीतिसुधा तथा साध्वी प्रीतियशा महाराज सा का रविवार को गाजे-बाजे और जयघोष के साथ भव्य नगर प्रवेश हुआ। प्रवेश यात्रा गौड़ी पार्श्वनाथ मंदिर से प्रारंभ होकर गोगागेट, कोचर चौक, कोचर मंदिर, पंचायती ट्रस्ट होते हुए रांगड़ी चौक स्थित तपागच्छीय पौषधशाला पहुंची।

नगर प्रवेश यात्रा में बड़ी संख्या में महिलाओं ने सिर पर श्रीफल कलश धारण कर भाग लिया। गुरुभक्ति गीतों की प्रस्तुति से वातावरण भक्तिमय बना रहा। यात्रा के दौरान पुरुषों, महिलाओं और बच्चों ने भावपूर्ण नृत्य किया तथा विभिन्न स्थानों पर श्रद्धालुओं ने साध्वी मंडल का पुष्पवर्षा एवं अभिनंदन के साथ स्वागत किया। दिल्ली, मध्यप्रदेश और गुजरात सहित विभिन्न राज्यों से पहुंचे गुरुभक्तों ने गुरु महिमा का गुणगान करते हुए तप और चातुर्मास की महत्ता का वर्णन किया। नगर प्रवेश के बाद रांगड़ी चौक स्थित तपागच्छीय पौषधशाला में विशाल धर्मसभा आयोजित हुई। धर्मसभा में साध्वी प्रीतिरत्ना, साध्वी प्रीतिसुधा तथा साध्वी प्रीतियशा महाराज सा ने धर्म, गुरु भक्ति और आत्मकल्याण पर प्रवचन देते हुए कहा कि धार्मिक आयोजन समाज और नई पीढ़ी में संस्कार निर्माण का माध्यम हैं। नई पीढ़ी संस्कारवान बनेगी तभी विद्यालय, महाविद्यालय, मंदिर, धर्मशालाएं और उपाश्रय जैसी धार्मिक संस्थाएं सुरक्षित एवं समृद्ध रहेंगी।

साध्वियों ने गुरु महिमा का वर्णन करते हुए कहा कि जैसे सुगंध के बिना पुष्प और पुष्प के बिना बगीचे का महत्व अधूरा है, उसी प्रकार गुरु के बिना जीवन भी अधूरा है। उन्होंने कहा कि जीवन में अहम से आत्म, वासना से उपासना और समस्या से तपस्या की ओर बढ़ना ही सच्ची साधना है। चातुर्मास आत्मशुद्धि और आत्मपरिवर्तन का श्रेष्ठ अवसर है। इसका सदुपयोग करने वाले विरले होते हैं, इसलिए प्रत्येक व्यक्ति को कंकड़ नहीं बल्कि शंकर बनने का प्रयास करना चाहिए।

उन्होंने कहा कि जीवात्मा को परमात्मा से जोड़ने पर आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। अध्यात्म की ओर झुकाव, मन-वचन-काया की पवित्रता तथा प्रतिदिन पूजा और देवदर्शन से जीवन में सकारात्मकता आती है। परमात्मा का मार्ग नीति, नियम और सदाचार का मार्ग है। आत्मा को ऊर्जा प्रदान करने के लिए प्रभु के द्वार जाना आवश्यक है। जिनालय ऐसा स्थान है जहां आत्मशुद्धि के माध्यम से मनुष्य अपने असंख्य अपराधों का प्रायश्चित कर सकता है। साध्वियों ने अधिक से अधिक संख्या में चातुर्मास के धार्मिक कार्यक्रमों में भाग लेने का आह्वान किया।

आत्मानंद जैन सभा चातुर्मासिक समिति के अजय बैद ने बताया कि 25 जुलाई से रांगड़ी चौक स्थित तपागच्छीय पौषधशाला में चातुर्मास के नियमित धार्मिक कार्यक्रम प्रारंभ होंगे। चार माह तक चलने वाले इस आयोजन में प्रवचन, स्वाध्याय, गुरु भक्ति, तप, व्रत, उपवास तथा जीवदया से जुड़े विविध धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। बच्चों के लिए विशेष धार्मिक एवं संस्कार शिक्षा की व्यवस्था भी रहेगी। चातुर्मास के दौरान बड़ी संख्या में श्रद्धालु जैन धर्म की परंपराओं के अनुरूप व्रत, उपवास एवं आराधना करेंगे। नगर प्रवेश एवं धर्मसभा में आत्मानंद जैन चातुर्मासिक समिति के अध्यक्ष शांतिलाल सेठिया, अजय बैद, लीलम सिपानी, नीलम सिपानी, सुरेन्द्र बधाणी, हनु कोचर, दिलीप कोचर, शांतीलाल कोचर, संजय कोचर, राजेन्द्र कोचर, कुसुम बधानी, नीलू सेठिया , प्रभा देवी कोचर, विनोद देवी कोचर सहित समाज के अनेक गणमान्य लोग उपस्थित रहे। साधर्मिक प्रसाद का आयोजन सूरज भवन में किया गया।

आईसीएआई के सहयोग से निकली फिटनेस की साइकिल रैली, 'संडे ऑन साइकिल' के 33वें एडिशन में 100 से अधिक साइक्लिंग प्रेमियों ने लिया हिस्सा

(खबर आस पास)

बीकानेर श्रेयांस बैद। फिट इंडिया और स्वस्थ जीवनशैली का संदेश देते हुए 'संडे ऑन साइकिल' का 33वाँ एडिशन रविवार को आईसीएआई (इंस्टीट्यूट ऑफ चार्टर्ड अकाउंटेंट्स ऑफ इंडिया) बीकानेर शाखा के सहयोग से आयोजित किया गया। भ्रमण पथ से शुरू हुए इस आयोजन में 100 से अधिक साइक्लिंग प्रेमियों ने उत्साहपूर्वक भाग लेकर नियमित व्यायाम और साइकिलिंग का संदेश दिया। कार्यक्रम का शुभारंभ आईसीएआई बीकानेर शाखा के अध्यक्ष सीए मुकेश शर्मा, बीकानेर जिला ओलंपिक संघ के अध्यक्ष सुधीश शर्मा तथा बीकानेर जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सुरेंद्र कूकणा ने रिबन काटकर किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने कहा कि नियमित साइकिलिंग न केवल शरीर को स्वस्थ रखती है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण, ऊर्जा की बचत और तनावमुक्त जीवन का भी प्रभावी माध्यम है। उन्होंने युवाओं एवं आमजन से साइकिलिंग को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने तथा अधिक से अधिक लोगों को इस अभियान से जोड़ने का आह्वान किया। बीकानेर जिला साइक्लिंग संघ के सचिव सुरेंद्र कूकणा ने बताया कि 'संडे ऑन साइकिल' का आयोजन प्रत्येक रविवार को शहर के अलग-अलग स्थानों पर किया जाता है। इसका उद्देश्य आमजन में स्वास्थ्य, फिटनेस और खेल संस्कृति के प्रति जागरूकता बढ़ाना तथा युवाओं को नशामुक्त और सक्रिय जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। कार्यक्रम में साइक्लिंग प्रशिक्षक श्रवण भाम्बू, कालूराम फौजी, जेठाराम घाट, दयालाराम सारण, सीए वसीम राजा, बस्तीराम, भवानी सिंह राजपुरोहित, डॉ. फारूक अहमद, दीपा सिंह, इंदर सिंह, कपिला शर्मा, वंदना शर्मा, सुरभि शर्मा, कुरमोन सेठी, गुरप्रीत सिंह, अभय शर्मा, सुमित नोलखा तथा गौरव अग्रवाल सहित अनेक गणमान्य नागरिक एवं साइक्लिंग प्रेमियों ने भाग लिया।

डीएसपी लक्ष्मी सुथार को देख स्कॉर्पियो से जा रहे युवकों ने की हूटिंग

पुलिस नाकाबंदी में धरे गए सवार,लूणकरणसर से है लक्ष्मी का वास्ता

(खबर आस पास)

जयपुर श्रेयांस बैद। राजस्थान के कोटपूतली- बहरोड़ जिले में रास्ते पर एक पुलिस कार्रवाई के दौरान स्कॉर्पियो सवार कुछ युवकों का महिला डीएसपी को हूटिंग करना भारी पड़ गया बुधवार को राजस्थान के कई शहरों में लग्जरी स्लीपर बसों की जांच चल रही थी इसी क्रम में कोटपूतली में भी पुलिस एक लग्जरी बस की जांच कर रही थी तभी तेज रफ्तार से गुजरती एक ब्लैक स्कॉर्पियो में सवार युवकों ने पुलिस को देख हूटिंग कर दी और वाहन को लहराते हुए भाग गए ये देखकर डीएसपी लक्ष्मी सुथार ने तुरंत कंट्रोल रूम को सूचना देकर नाकाबंदी का ऑर्डर दिया पुलिस ने कुछ ही देर में ब्लैक स्कॉर्पियो को रोककर छह युवकों को दस्तयाब कर लिया।

एनएच पर हो रही थी बसों की जांच

दरअसल यह पूरा घटनाक्रम बुधवार देर शाम राष्ट्रीय राजमार्ग-48 पर गोपालपुरा कट के पास उस समय हुआ, जब परिवहन विभाग, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डालसा)और पुलिस विभाग की संयुक्त टीम लग्जरी स्लीपर बसों की विशेष जांच अभियान चला रही थी संयुक्त कार्रवाई के दौरान बसों में यात्रियों की सुरक्षा से जुड़े विभिन्न मानकों की बारीकी से जांच की जा रही थी. अधिकारियों द्वारा इमरजेंसी एग्जिट, फायर सेफ्टी उपकरण, सुरक्षा व्यवस्थाओं और अन्य आवश्यक मानकों का निरीक्षण किया जा रहा था ताकि नियमों की अनदेखी करने वाले वाहन संचालकों पर कार्रवाई की जा सके। इस संयुक्त अभियान में डालसा सचिव नीलम मीणा, परिवहन विभाग के अधिकारी सुनील सैनी, डीएसपी लक्ष्मी सुथार सहित पुलिस और परिवहन विभाग की टीमें मौके पर मौजूद थीं कार्रवाई पूरी गंभीरता के साथ चल रही थी और एक-एक बस को रोककर जांच की जा रही थी।

ब्लैक स्कॉर्पियो में बैठे युवकों ने हूटिंग की इसी दौरान डीएसपी लक्ष्मी सुथार एक बस की जांच पूरी करने के बाद दूसरी बस की ओर बढ़ रही थीं तभी पीछे से तेज रफ्तार में एक ब्लैक रंग की स्कॉर्पियो ट्रेलर को ओवरटेक करते हुए डीएसपी के बिल्कुल पास से निकली प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार स्कॉर्पियो में तेज आवाज में लाउड म्यूजिक बज रहा था और उसमें छह युवक सवार थे वाहन में सवार युवकों ने तेज आवाज में हूटिंग की, वाहन को लहराते हुए तेज गति से आगे बढ़ा दिया और कुछ ही पलों में वहां से निकल गए।

सूचना मिलते ही कंट्रोल रूम सक्रिय हुआ और पनियाला थाना पुलिस तथा बहरोड़ सदर थाना पुलिस को अलर्ट कर दिया गया. सूचना के बाद दोनों थाना क्षेत्रों में तत्काल नाकाबंदी शुरू कर दी गई इसी दौरान बहरोड़ सदर थाना क्षेत्र में ह्म-48 पर वही ब्लैक स्कॉर्पियो तेज रफ्तार से आती हुई दिखाई दी बहरोड़ सदर थाना प्रभारी मनोहर मीणा ने पुलिस टीम के साथ नाकाबंदी के दौरान वाहन को रुकवाया।

थाने ले जाए गए युवक

पुलिस ने स्कॉर्पियो को कब्जे में लेते हुए उसमें सवार सभी छह युवकों को दस्तयाब कर लिया और पूछताछ के लिए थाने ले गई प्रारंभिक पूछताछ में सामने आया कि स्कॉर्पियो सवार सभी युवक दिल्ली से खाटूश्यामजी के दर्शन कर वापस लौट रहे थे।

पुलिस पूरे घटनाक्रम की गंभीरता से जांच कर रही है. थानाधिकारी मनोहर मीणा ने बताया कि डीएसपी लक्ष्मी सुथार से सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्काल कार्रवाई करते हुए नाकाबंदी की और संदिग्ध वाहन को रोक लिया यह भी पता लगाया जा रहा है कि युवकों ने पुलिस कार्रवाई के दौरान हूटिंग क्यों की और वाहन को तेज गति व लापरवाही से क्यों चलाया फिलहाल सभी युवकों से पूछताछ की जा रही है।

जीतो लेडीज विंग भीलवाड़ा का संस्कृति संगम 2.0' में शानदार प्रदर्शन, 'वस्त्र स्टोरीज़' का राष्ट्रीय खिताब जीता

'रंगीलो राजस्थान' की संस्कृति, वेशभूषा और विरासत की आकर्षक प्रस्तुति से निर्णायकों का जीता दिल, चेयरपर्सन नीता बाबेल सम्मानित

(खबर आस पास)

भीलवाड़ा (पंकज पोरवाल)। जीतो लेडीज़ विंग भीलवाड़ा ने राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित 'संस्कृति संगम 2.0' में अपनी रचनात्मकता, सांस्कृतिक अभिव्यक्ति और टीम भावना का उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए 'वस्त्र स्टोरीज़' प्रतियोगिता का राष्ट्रीय खिताब अपने नाम किया। चेयरपर्सन नीता बाबेल के नेतृत्व में टीम ने राजस्थान जोन का प्रतिनिधित्व करते हुए 'रंगीलो राजस्थान' की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत, लोक परंपराओं और पारंपरिक वेशभूषा को प्रभावशाली ढंग से प्रस्तुत कर भीलवाड़ा और पूरे राजस्थान का गौरव बढ़ाया। दिल्ली में आयोजित इस प्रतिष्ठित प्रतियोगिता में टीम ने राजस्थान की पारंपरिक वेशभूषा, लोक संस्कृति, लोककला, खान-पान, रीति-रिवाज और सांस्कृतिक विविधता को सजीव मंचन के माध्यम से प्रस्तुत किया। प्रस्तुति में राजस्थान की ऐतिहासिक पहचान और सांस्कृतिक गरिमा का ऐसा समन्वय देखने को मिला, जिसने निर्णायक मंडल और उपस्थित दर्शकों ने खूब सराहा। टीम की प्रस्तुति में रंग-बिरंगी राजस्थानी पोशाकों, लोक परंपराओं और सांस्कृतिक प्रतीकों को कलात्मक रूप से प्रदर्शित किया गया। कार्यक्रम के दौरान दर्शकों ने प्रस्तुति की सराहना करते हुए तालियों की गड़गड़ाहट से टीम का उत्साहवर्धन किया। इस उल्लेखनीय उपलब्धि पर जीतो लेडीज़ विंग भीलवाड़ा की चेयरपर्सन नीता बाबेल को विजेता टीम की ओर से पुरस्कार एवं सम्मान प्रदान किया गया। उन्होंने इस सफलता का श्रेय पूरी टीम के सामूहिक प्रयास, समर्पण और रचनात्मक सोच को देते हुए राजस्थान एपेक्स कन्वीनर सरिता लोढ़ा के मार्गदर्शन और प्रेरणा के प्रति आभार व्यक्त किया। नीता बाबेल ने कहा कि यह उपलब्धि केवल प्रतियोगिता में जीत नहीं, बल्कि राजस्थान की समृद्ध सांस्कृतिक विरासत को राष्ट्रीय मंच पर सम्मानपूर्वक प्रस्तुत करने का गौरव है। उन्होंने विश्वास जताया कि भविष्य में भी जीतो लेडीज़ विंग समाज, संस्कृति और महिला सशक्तिकरण से जुड़े आयोजनों में इसी उत्साह और प्रतिबद्धता के साथ भाग लेती रहेगी। इस अवसर पर रजनी सिंघवी, स्वीटी नैनावटी, नीतू सुतारिया, सुरभि चोपड़ा, खुशबू मोदी, कविता चपलोत एवं पलक सिंघवी सहित टीम की सभी सदस्य उपस्थित रहीं। उनकी इस सफलता पर भीलवाड़ा के सामाजिक एवं जैन समाज के विभिन्न संगठनों ने बधाई देते हुए इसे जिले के लिए गौरवपूर्ण उपलब्धि बताया।